अनुक्रमणिका

क्रम.सं.	विषय	नाम	पृष्ठ सं.
1.	कृद्वृत्तौ कालस्य भूमिका	प्रो. भगवतशरणशुक्लः	01
2.	ध्वनिकाव्यस्वरूपविमर्शः	डॉ. हरीशचन्द्रतिवाड़ी	07
3.	कर्तुरीप्सिततमं कर्म	डॉ. दिव्यचेतनब्रह्मचारी	13
4.	वेदानुशीलन में आचार्य सायण का महत्त्व	डॉ. अरुण कुमार मिश्र	19
5.	संस्कृतवाङ्मये शिक्षाव्यवस्था	डॉ. अरविन्दनारायणमिश्रः	27
6.	संस्कृतपाण्डुलिपीनां महत्त्वम्	डॉ. मनोजकिशोरपन्तः	33
7.	धर्मविमर्श	डॉ. रामरतन खण्डेलवाल,	35
8.	व्याकरण में लोकप्रामाण्यवाद	डॉ. दामोदर परगांई	41
9.	ग्राम खुजनावर-ऐतिहासिक एवं पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	डॉ. अजय परमार	45
10.	तैत्तिरीय प्रातिशाख्य में वर्णोच्चारण प्रकरण	डॉ. शिल्पी अग्रवाल	49
11.	राष्ट्रस्य निवासयोग्यतायाश्चिन्तनम्	डॉ. निरञ्जनमिश्रः	57
12.	व्याकरणशास्त्रस्य महत्त्वम्	डॉ. वीरेन्द्रकुमारठाकुरः	65
13.	भगवान् बुद्ध का सामाजिक एवं राजनैतिक क्रान्ति	डॉ. व्रजेन्द्र कुमार सिंहदेव	69
14.	संस्काराणामुपादेयता	डॉ. मंजुनाथः	75
15.	उपन्यासकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की नारी पात्रों का आधुनिकता बोध	डॉ. शिवानी विद्यालंकार	89
16.	निरुक्ते देवस्वरूपविमर्शः	शिवकुमारः	95
17.	प्रणय-भावना और विराटा की पद्मिनी	डॉ. उमेश कुमार शुक्ल	99
18.	वेदे स्वरप्रयोजनम्	डॉ. रवीन्द्रकुमारः	103
19.	पर्यावरणसंरक्षणे वृक्षादीनां महत्त्वम्	प्राची त्यागी	111

20.	महाभारतानुसारं तात्कालिकी राजनैतिकव्यवस्था	कुलदीपगौड़:	115
21.	ज्योतिषशास्त्रान्तर्गतानावृष्टिविचार:	डॉ. रत्नलाल:	121
22.	भाषणकौशलस्य शिक्षणम्	डॉ. सुमनप्रसादभट्ट:	127
23.	Portrayal of India as a mosaic of Multiplicities in Tharoor's "India: from Midnight to millennium"	Shweta Awasthi	137
24.	उत्तराखण्ड के पर्यटन स्थलों का शैक्षिक महत्त्व	सुश्री मीनाक्षी	143
25.	वैदिक वाङ्मय में निहित सृष्टि-उत्पत्ति विषयक सिद्धान्त की वैज्ञानिकता	अनिता स्वामी	147
26.	E- Learning: A Few Learning	Pramod kumar Rajput	167
27.	The Panini's Sanskrit Grammar Approach in Computer Science	Sushil Kumar 'Chamoli'	173
28.	छात्र केंद्रित पाठ्यक्रम क्यों	डा0 ज्ञानेन्द्र कुमार	183
29.	परशुरामोदयमहाकाव्ये राष्ट्रहितचिन्तनम्	नवीनचन्द्रपन्त:	189
30.	प्राचीन भारत में सती प्रथा	डॉ0 अखिलेश कुमार	197
31.	Egg Laying behaviour of a tropical bird species, the pied bush chat (Saxicola Caprata)	Vinaya Kumar Sethi Dinesh Bhatt Amit Kumar	201
32.	Palasha Vriksha (*Butea monosperma*) as Depicted in Sanskrit Literature	Dr. Dhananjay Vasudeo Dwivedi	209
33.	वैदिक सृष्टितत्त्व मीमांसा एवं जीवात्म ब्रह्म (अपरोक्षानुभूति) निदर्शन पुराणोक्तअनुक्रम में	डॉ. हेमन्त चतुर्वेदी	219
34.	मानवीय मूल्यों के महत्त्व में योग तथा ज्योतिष का अंतःसम्बंध	डॉ. खुशेंद्रदेवचतुर्वेदी	233

35.	संस्कारस्वरूपं जीवने तन्महत्त्वं च	डॉ0 शरदकुमारनागरः	245
36.	सङ्क्रान्तेर्महत्त्वम्	डॉ. शत्रुघ्नत्रिपाठी	253
37.	मनुस्मृतौ सृष्टयुत्पत्तिविज्ञानम्	डॉ0विकासः	261
38.	अधिस्मृति दायभागविचारः	डॉ. शैलेशकुमारतिवारी	271
39.	अद्वैतवेदान्तसम्प्रदाये महावाक्यार्थविचारः	परमेशतिवारी	281
40.	वेदों के संरक्षण में व्याकरण शास्त्र का योगदान	हरीश चन्द्र पुनेठा	289
41.	Aerobic and Anaerobic Activity	Dr.Chandra Shekhar Sharma	293
42.	रामायण की वास्तुशास्त्रीय परम्परा	निमिता कन्याल	297
43.	Traces of Communication in The Vedic and Sanskrit Text: Study of The Non-Verbal Communication in The Natyasastra	Dr.DhirajShukla	309
44.	औपनिषद शिक्षा द्वारा मानव कल्याण	डॉ. विन्दुमती द्विवेदी	315
45.	श्रीमद्भगवद्गीतायां प्रबन्धकस्वरूपम्	नरेन्द्रकुमारपाण्डेयः	323
46.	ख्यातिस्वरूपविमर्शः	डॉ. रामकिशोरत्रिपाठी	331
47.	मधुमती विद्या-एक विवेचन	प्रज्ञादेशपाण्डे	345
48.	वैदिक वाङ्मय में भाग्य और पुरुषार्थ का स्वरूप	डॉ. अरुणा शुक्ला	353
49.	छन्दःसमीक्षा में प्रतिपादित सिद्धान्तों का सङ्गीतपक्ष	डॉ. सत्यमूर्त्ति	359